साहित्यक क्षेत्र में समन्वय :-

4. कबीरदास के निर्गुण भक्ति पर प्रकाश डाले ?

i. कबीरदास का परिचय

ii. कबीर दास की रचनाएँ

1 कबीर दास के दार्शनिक विचारधारा

i. निर्गुण ईश्वर

ii. शास्त्रीय ज्ञान को चुनौति

iii. कबीर दास के रहस्यवाद

iv. कबीरदास के हठयोग साधना

2. कबीर दास के भक्ति भावना

i. नाम स्मरण की महिमा

ii. गुरु का महत्व

iii. प्रेम पर बल

3. कबीरदास के धार्मिक विचार धारा

i. निर्गुण ब्रह्माचार का खण्डन

ii. हिन्दू - मुस्लिम समन्वय की भावना

iii. जाति प्रथा का विरोध

iv नारी के प्रति दृष्टिकोण

5. रहीम के काव्यगत विशेषता को लिखे ?

i. रहीम का परिचय

ii रहीम की रचनाएँ - रहीमरत्नावली, बरवैनायिकाभेद,

iii व्यक्तिगत अनुभूति का चित्र

iv दानशीलता की भावना

v. स्वाभिमान का महत्व

vi. त्याग का महत्व

vii. सत्य का खोज

viii. सहृदय कवि, योद्धा, वीर के रूप में रहीम

बबलू कुमार

6. रसखान की भक्ति भावना :-

i. रसखान कवि का परिचय :-

ii. कृष्ण - भक्ति शाखा के कवि :

iii. आध्यात्मिक अनुभूति :

iv. लीला का महत्व :

v. प्रेम में ईश्वर

vi. बाल लीला का अद्भुत चित्र :

vii. श्रद्धा से कृष्ण के प्रति अराध्य :

निष्कर्ष

7. घनानन्द के काव्य में सुजान का महत्व :-

i. घनानन्द का परिचय :

ii. प्रेम की पीर के अमरगायक :-

iii. काव्यानुशीलता :-

iv. सुजान से प्रणय सम्बन्ध :-

v. सुजान के प्रेम में बल :

vi. भक्ति एवं शृंगार परक काव्य :

vii. लौकिक प्रेम में बल :

8. विद्यापति के शृंगारिक दृष्टिकोण, परिचय, तथा विरहाकुल हृदयोद्गारों का चित्र खींचे ?

रसोरञ।

i. विद्यापति का परिचय :

ii. प्रेम और सौन्दर्य के कवि :

iii. संयोग वर्णन :

iv. वियोग वर्णन :

v. विरह का मार्मिक चित्र :

vi. पदावली का महत्व, परिचय :-

vii. विद्यापति के ख्याति होने का कारण :

viii. लौकिक नायक, नायिका का चित्र :

ix. राधा के स्थिति का चित्र :-

x. निष्कर्ष :-

बलरामकुमार